

# नांदगांव टाइम्स

शुक्रवार, 22 अगस्त 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 300, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपये



॥ जय श्री जलाराम ॥  
**श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर**  
उदित दत्त पर मकान, प्लेट, इलेक्ट्रिक, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।  
ऑफिस: बागड़ी बरतों के बाजू में, गणकैन मार्ग, राजनांदगांव।  
मो: 98274-61508, 83192-88559

## जान हथेली पर लेकर नदी पार करते हैं ये बच्चे...



दुर्ग। जहां एक ओर देश चांद पर पहुंचने की तैयारी में है, वहीं छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के धमधा ब्लॉक के मुकुंदगंज गांव में बच्चे आज भी अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने की मजबूर हैं। इस गांव में पांचवीं तक ही स्कूल है। इसके बाद की पढ़ाई के लिए बच्चों को चोटवानी गांव जाना पड़ता है, जो यहां से लगभग 2 किलोमीटर दूर है। लेकिन इन दोनों गांवों के बीच बहती है एक बेबाक नदी, जो बारिश में उभर पड़ती है। हर सुबह ये मासूम बच्चे, हाथ में बस्ता और पुल, बिना नाव, बिना किसी सुरक्षा के। कई बार बच्चों की साहिलें बह चुकी हैं, और

कुछ बच्चों ने डर के कारण स्कूल जाना तक छोड़ दिया है।  
**बाढ़ में फंसे, उम्मीदों में जीते ग्रामीण**  
बाढ़ में फंसे, उम्मीदों में जीते ग्रामीण गांव के कुतुर्वा बजाते हैं कि बरसात में जब नदी और नाले उभर पड़ते हैं, तो गांव पूरी तरह से कट जाता है। बाहर जाने का कोई रास्ता नहीं बचता। दो बच्चे की छिल्लीकरी के दौरान समय पर अस्पताल न पहुंच पाए के कारण मौत हो गई गांव में न तो पक्की सड़क है, न पुल-पुलिया और न ही पब्लिक सरकारी सहायता।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन पड़लें आगे नहीं बढ़ती। बच्चे कहते हैं - हमें डर तो लगता है, लेकिन स्कूल जाना जरूरी है। नहीं पढ़ेंगे तो क्या करेंगे?  
**प्रशासन कदम देगा जवाब?**  
जहां शिक्षा को हर बच्चे का अधिकार बताया जाता है, वहीं इन बच्चों की यह जमीनी सच्चाई सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करती है।  
**अब सवाल यह है?**  
क्या शासन-प्रशासन इन बच्चों की आवाज सुनेगा? क्या मुकुंदगंज गांव को भी कभी सुरक्षित रास्ता, पुल और बेहतर भविष्य मिलेगा?

## मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर कैंसर अस्पताल का होगा उदघाटन डॉ. निरेन्द्र साहू का गृह नगर में हुआ भव्य स्वागत

जनता को मिलेगी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा की सौगात

गाजे बाजे के साथ भव्य आतिशबाजी भी, जगह जगह हुआ स्वागत

विस्तार के लिए लगभग रु. 39.36 करोड़ की पुनरीक्षित राशि स्वीकृत



**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं नई ऊंचाइयों की तरफ अग्रसर हैं। इसी क्रम में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित कैंसर अस्पताल का विस्तार होकर जी प्लस सिक्स (ग्राउंड फ्लोर प्लस छः) प्रकट करते हुए कहा है कि यह कदम छत्तीसगढ़ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में अग्रसर होगा।

उन्होंने एक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्य को जल्द गति दी जाए। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार यह बिल्डिंग सिर्फ किसी मवन या निर्माण कार्य का विस्तार नहीं बल्कि प्रदेश की जनता के लिए उम्मीद की नई किरण है। कैंसर अस्पताल के जी प्लस सिक्स के विस्तार के बाद डॉ. निरेन्द्र साहू का आग्रह प्रथम गंग आगमन। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया। नगर पहुंचने पर श्रीराम द्वार के सामने सामाजिकजनों के अलावा अन्य समाज के लोगों तथा जनप्रतिनिधियों, छुटिया, चौकी, मोहला मानपुर आदि क्षेत्रों से आये हुए स्वभावियों द्वारा जोशिला स्वागत किया गया। इससे पहले रायपुर से होकर आ रहे डॉ. साहू ने सिंघोला स्थित माँ भानेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पछाहू के गुरुद्वार के लिए रवाना हुए। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाले ग्राम जोगलपुर, रामपुर, घोटा, अरुनी, अम्पलीब्रीह, आरी कोनारी आदि में भी सामाजिकजनों तथा विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। नगर पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीण चौक में उपस्थित लोगों द्वारा गाजे बाजे तथा आतिशबाजी के साथ डॉ. साहू का स्वागत किया गया। पछाहू स्वागत रस्ते पुराने बस स्टेशन होते हुए स्थानीय रैल्वे हाऊस पहुंची। रास्ते भर जगह जगह तथा रैल्वे हाऊस में डॉ. साहू का स्वागत करने वालों का ताता लगा रहा। भव्य स्वागत से अभिभूत डॉ. निरेन्द्र साहू द्वारा अपने सख्त उद्घोषण में सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सबके साथ मिलकर सामाजिक गतिविधियों के सुचारु संचालन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू, महापंजी नीलमणी साहू, माधव साहू, चरवल साहू, अमरनाथ साहू, मदन साहू, डॉ. विरेन्द्र साहू, नीरा साहू, संघा साहू, शोतल साहू, हेमंत साहू, टिकेश साहू, कोशल साहू, गुलशन हिवाजी, महेश्वर साहू, धनरथ साहू, गणेश साहू, जयंत साहू, अलखराम साहू, नोबल साहू, जगमोहन साहू, शिवनारायण साहू, प्रेम साहू, दीनदयाल साहू, चंदन साहू, लखीन साहू, धीरेन्द्र साहू, पुरुषोत्तम साहू, ज्ञानचंद साहू, कुंती चौधरी, डॉ. चेतन साहू, डॉ. महेश साहू, डॉ. नरेन्द्र साहू, मोहन साहू, अंबु साहू, भेषाबई साहू, भुवेंद्र साहू, तिजेश्वरी साहू, जया तिमिर साहू, शिव साहू, मनोज गंगवेर, बालरवि साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ कृषक एवं परिरक्षण अधिकारियों के तहत बोलेरो फिफ्टी वॉलन ट्रैक्टर राजनांदगांव। कलेक्टर, एवं जिला जलधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नेट्ट कर ने ग्राम वनेपार पोष्ट महदुता जिला भादगाव महदुता निजसी गणेश मयाग लुटे के स्वागत की जगहदुता बाहन बोलेरो फिफ्टीअर क्रमिक एमएचए 36 एए 4271 को छत्तीसगढ़ कृषक एवं परिरक्षण अधिकारियों के तहत शासन के पक्ष में राजसात किया है। पुनरीक्षण अवधि समाप्त होने तथा सवाम न्यायालय से किसी प्रकार का कोई आदेश प्राप्त नहीं होने की दशा में राजसात क्रिए एए वास्तु का गठित समिति द्वारा नियमानुसार नीलामी की करवाई को जाएगी एवं प्रात राशि को छत्तीसगढ़ शासन के निर्यात मर में खजाना दाखिल करने की कारवाई को जाएगी। सवाम न्यायालय से आदेश के विरुद्ध कोई आदेश प्राप्त होने पर आगे की कारवाई न्यायालय के आदेशानुसार को जाएगी।

## सनातन धर्म महासभा सेवा परिवार का गणेश

समितियों से विनम्र आग्रह विघ्नहर्ता गणपति की मूर्तियां मूल स्वरूप में स्थापित करें

सनातन संस्कृति अनुरूप स्थापना एवं ससम्मान विसर्जन हो

**राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)।** संस्काराधारी नाम रिद्धि और सिद्धि है रिद्धि और सिद्धि भगवान राजनांदगांव में गणेश उत्सव की परंपरा वर्षों पुरानी है। उत्सव का आनंद लेने देश के कोने-कोने से लोग यहां गणेश उत्सव व वैभवापीय आराध्य मयगहन धार्मिक देश भक्ति से ओगड़ते समाहित विस्मयन श्रद्धा को आनंद लेने आते हैं। सनातन संस्कृति एवं परंपरा में सनातन एकता की झलक दिखाने पड़ती है सनातन परंपरा में देशों में प्रथम पुण्य विघ्नहर्ता भगवान गणपति का 11 दिवसीय गणपति महोत्सव संस्काराधारी राजनांदगांव में ब्रह्मा, भक्ति भाव व आनंद उमंग हबोहबल के साथ दिनांक 27 अगस्त से 6 सितंबर 2025 तक मनाया जाएगा। च सनातन धर्म महासभा सेवा परिवार के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पटवर्धन, जिला अध्यक्ष सतीश खडेलवाल ने बताया कि सनातन संस्कृति में गणेश जी का बहुत महत्व है उन्हें प्रथम पूजनीय माना जाता है और किसी भी क्षुद्र कार्य को सुरुवात के पहले उनको पूजा होती है उन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है जिसका अर्थ होता है बाधाओं को दूर करने वाला भगवान गणेश देशों के देव महोत्सव भगवान शिव और माता पार्वती के छोटे पुत्र हैं भगवान गणेश की पत्नी का

संस्कृति, एवं धर्म को संशोकर रखता हम सभी का दायित्व है सभी गणेश समितियों भगवान गणपति को मूल स्वरूप में गणेश चतुर्थी के दिन स्थापित करें पंडाल परिसर में 11 दिन धार्मिक भजनों गीतों एवं कार्यक्रम का संचालन करें च एवं अंततः चतुर्थी को ही भगवान गणपति का विसर्जन ससम्मान करें भादपूर चतुर्थी के दिन विघ्नहर्ता गणपति जी को स्थापना पूर्ण भक्ति भाव एवं श्रद्धा बंध बाजा, विभिन्न वाद्य यंत्रों, के साथ भगवान गणपति को विराजमान करें एवं धार्मिक भजनों गीतों डोने एवं बंध बाजा व भुपाल बजाकर धार्मिक वेशभूषा एवं उज्ज्वल के माहौल में हम सब ने उठाना है सनातन संस्कृति की आर्ष

**बोरेतलाव में अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने की मांग**  
**डॉ. निरेन्द्र साहू (नांदगांव टाइम्स)।** जनपद पंचायत बोरेतलाव के अंतर्गत आने वाले बर्नवल ग्राम बोरेतलाव में ग्रामीणों ने अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग की लेकर बोरेतलाव, पोपरखार, कोटनगंजी, पोटेरानी, बुधानछार, सलित आसपास क्षेत्र के सभी ग्राम प्रमुखों व जनपद सदस्य सभापति सलित ओमप्रकाश मंडवी की उपस्थिति में द्वारा बोरेतलाव के पंचायत भवन में जनपद सभापति सदस्य सलित ओमप्रकाश मंडवी की उपस्थिति में विषय को लेकर चर्चा बैठक आहू की गई। जिसमें बताया गया कि छग. शासन से बोरेतलाव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति प्रदान हो चुकी है और डोगराहू के स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियुक्ति हुई है जो कि डोगराहू स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जब तक नव निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण होता तब तक पंचायत भवन के एक कम में या गौह भवन में अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र संचालन किया जा सकता है जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों की स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

**रेलवे द्वारा दुर्गा पूजा हेतु विशेष ट्रेन का संचालन**  
**डोगराहू (नांदगांव टाइम्स)।** दुर्गा पूजा पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चालने का निर्णय लिया गया है। जिसमें इतवारी-शालीमार-इतवारी (08865/08866) ट्रेनी पूजा एक्सप्रेस, विशेष गाड़ी का संचालन किया जाएगा।

इतवारी-शालीमार-इतवारी (08865/08866) ट्रेनी पूजा एक्सप्रेस, विशेष गाड़ी का संचालन किया जाएगा। विशेष गाड़ी से शालीमार के लिए 27 सितंबर 2025 से 01 अक्टूबर 2025 तक तथा शालीमार से इतवारी के लिए 28 सितंबर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक कुल 05 फरों के लिए चलाई जाएगी। इस गाड़ी में कुल कोच-18 (एस एल आर बी-2, सामान्य-5, स्लीपर-08, एसी-3/02 एए एसी-2/01) रहेगी। विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है

दिन 14.00 बजे तक। वहीं 08866 शालीमार डू नेताजी सुधाप चंद बोस इतवारी दुर्गा पूजा एक्सप्रेस शालीमार से 02 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन प्रस्थान (18:00 बजे) तक। इतवारी आगमन-अगले दिन 15.35 बजे। जेसमें ट्रेन ट्रेनों का स्टॉपज गोंदिया, डोगराहू, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, चोबा, रायगढ़, झारसुगुड़, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटा नगर, खड़गपुर, संतरगाछी एवं शालीमार इत्यादि स्थल है। उक्त आसय की जानकारी डोगराहू साईअई निरंजन सिंह ने दी है।



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भक्ति मंडल के नाम पर सलितों की ऐसी संख्या को प्रत्येक भाह की देखने पड़ती है कि अपने घरघरों के बंध भवन आवांजित करती है। एक संख्या द्वारा आगे आरंभ भवन में धार्मिक उत्सव आयोजित किया गया। जिसमें महिलाओं ने भक्तिभाव पूर्वक भजनों का आनंद उठाया।





- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मैट

# स्वाती स्पोर्ट्स

**स्विलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट..**

**स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971**



**जीई रोड में चला अतिक्रमण हटाव अभियान, आज मनोकामना से आशा नगर चैक तक चली जैसीबी**  
 टेला-गुमटी, पुरानी गाड़ी और अतिरिक्त शेड हटाए, बुधवार को गुरुद्वारा से आम्बेडकर चैक तक चलाया गया अभियान

[illegible]

राई में भी अतिरिक्त्त शैल  
निर्माण और पुरानी  
गाड़ियों को सड़क किना  
आवाजाही में दिक्कतें हो  
द्वारा दुकानदारों, गैराज के  
गई थी। अतिक्रमण हटाने  
अतिक्रमण हटाओ अभियान  
आज मनोकामना मंगल भव  
अतिक्रमण हटाओ अभियान  
गुमटियों के सटाने अतिरिक्त्त  
हटया गया। बंधवार को भी



दुकानों के बाहर समान रखने से यातायात बाधित संभावना बनी रहती है। इसके अभाव तथा दुकान में खड़े दारि करने आने में हिचकिचाते भसर होता है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि न सही से शहर को व्यवस्थित करने समझाईस दी गयी थी, वही हटाने पर आज मनोकामना में अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए।

चलाकर समान दुकान के अंदर रखने समझाईस दिए तथा अधिकारी सीटों, शेड और कच्चे को जेबोवी मशीन से तोड़ने देना अत्यावश्यक रूपों, गुणलक्षण कारणों से तोड़ देना व दुर्घटना के पास से ही रास्ता द्वारा समझाईस देते हुए पुराने नष्टनाशग्रस्त गाड़ियों को हटायें गया। उन्होंने रहल के जगह क्षेत्र के व्यापारियों से कहा है कि, समान दुकान को सीमा में रखे अधिकरण न करें। अपालन पर प्रशासन को टीम समान जली ऐसे अधिकरण हटने को कार्यवाही करेंगे। उक्त अधिपान आगे भी जारी रहेगा। आज के अधिकरण हटायें अधिपान में निमग्न के अधिकारी, अधिकरण दस्ता तथा पुलिस प्रशासन उपस्थित था।

### शहर की गड़बड़ समस्या पर निगम प्रशासन गंभीर हो - शिव वर्मा



**राजदरबार (चतुर्थः टाइम)** | जहाँ के विद्यापीठों को अंग्रेजी मीडियम को अच्छी दिशा देने के लिए संघर्षित करनेवाले आगमनदर की दिशा में अपने बरतन अथवा को होना रहा है। विधि समझने को समझे इन स्कूल के संघर्ष में जहाँ बाबा रिक्तता करने पर 'ता' पत्र पत्र सोचो पिछे ने आगमन स्कूल जा का मौका उपलब्ध को तो पाया कि यह स्कूल कम कुटो- कहर का होर जगदल ला रहा है। स्कूल में सभ्य होने के लिए जो जहाँ जगदल का अर्थ, स्कूल के दीवारों के जगह - जगह में पाठ्यपत्र उज्ज्वल रहना, विज्ञान के तार वेतोरियल से फेरी होना के कहती- तो विज्ञान के तार खुले होने से यहाँ के कहती- को करल लगेना का तार खुले हुआ है। श्री पिछे ने कहा कि स्कूल में तो न पुरानी ही और न स्वीयर है स्कूल कारण टाइकट की सामग्री नहीं हो पाया, बच्चों सारी पढ़ाई है। टाइप नहीं होने से यहाँ अर्थ को सामान्य है। श्री मण्डल में सभ्य- सभ्य का अर्थ जगदल - जगदल होना रहा है। श्री



पिछले ने कहा कि दिकत की बात यह कि स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल हो कर भी यहां इंग्लिश के टीचर नहीं है। विद्यार्थी बगैर इंग्लैंड टीचर के पढ़ाई कर रहे हैं और परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के समय स्वामी आत्मानंद स्कूल का शिक्षा जगत में अच्छा फ्रेज बना हुआ है। सभी पालक अपने बच्चों को स्वामी आत्मानंद स्कूल में

पढ़ाने में गर्व महसूस करते थे लेकिन भाजपा सरकार आते ही आत्मानंद स्कूल के क्रेडेंस को मटियामेट कर दिया।

धूल ? खाते पड़ा हुआ है दानवही राजाओं के तेल ज्विच  
 श्री फिलिप बालिका कि हद तो तब हो नई जब शहर के  
 बच्चों की अच्छी पहचान है अतः हमने अपने को दान में  
 देने वाले संस्कार बनाई नारी के दानवही राजा महल  
 संस्थापक रूप में राजा दिग्विजय दाम के तेल ज्विच में जले  
 पूरे हुए धूल को खाते हुए सल दिया गया है । श्री फिलिप  
 रकुल के प्राणायंस्क कुम्भना से आनन्दन रकुल की  
 उपोक्त संस्कार के संबंध में पूछे जाते पर बताया कि  
 इस संबंध में कलेक्टर, निगम आसक शिक्षा विभाग शिक्षा  
 के ध्यान में लाया जा चुका है इससे बाद भी इस शिंलरा  
 मीडियम रकुल को कोई सुधार नहीं लाया जा रहा है । बहरस हाल  
 बहरस शिक्षा के संस्कार में फिलिप रकुल जा रहा शहर का  
 शिंलरा मीडियम दानवही राजा आनन्दन रकुल देखेखे की  
 आभाव में शासन को लक्ष्यवर्ती को भेज दानवही की

## करेठी नाला में बहने वाले वृद्ध का शव रंगकठेरा रपटा पुल के पास मिला



**डोंगरगाव ( नांदगाव टाडम )**  
ग्राम करेडी बांदरापोला निवासी शोभा साहू 65 वर्ष बुधवार को सुभान अर्धे खेत में जाया यात्रेत बांद के आसपास करेडी नाला में रोव जात तह नहान जाते थे लगातार बारिश अचानक बाढ़ को तह तेज हुई और उसी बाढ़ को चपेट में आये करेडी नाला में बह गया , जब शोभा राव अपने घर नहीं आये तभी उनके घर वाले ने खेत को ओर खोज करेडी मिले , वहाँ से आते हुए उनके घर आसपास वाली ने करेडी नाला के जूता , और कपड़े पल्ल के पास देखा था। मैं उन घुमवों को सचा दर्ज करे स्थार द्वारा जोखवों किया नहीं मैं

शोभू राम के कपड़े को पहनाने करते हुए शक हुआ और गोताखोर को टीम व बुलाया जो दूर रात्रि तक आस पास नदी को ढूँढा गया परन्तु कोता पास ना चला दूसरे दिन गुब्बार को सुबह 11 बजे ग्राम रंग कटेरा गया पुल के पास उनके शव को देखा गया और पुलिसवत सूचना दिया गया सूचना मिलते ही था ए एस आई तथा राम धर्म म्बे को प जाकर शव का पहचान घर वालों व कया गया तो घर वालों ने मृतक शोभू रा बताया तभी आगे पंचनामा तैयार कर पीए गाराणा लाया गया पीएमा होने के बाद उन ले को सौंप दिया पुलिस ने बताया है कि शी को करेटी नाला में एक व्यक्ति का डूब था।

## रेलमार्ग से हो रही दिगर राज्य से शराब की तस्करी

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। पुलिस और उतरकर जा रहा था जो पुलिस को देखकर भाग



आकारों विभाग द्वारा शायद तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा है तो वहीं तस्कर सड़क मार्ग को छोड़कर रेलमार्ग से दिगंबर राज्य से अवैध शायब को खेप लाना नहीं छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी में 19 आपस को गुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध रूप से महाराष्ट्र निर्मित देशी शायब को 02 काला रंग के बैग में भरकर साहेबकासे से ट्रेन ला रहा हैं कि सूचना पर डे मुखबीर के बयाने अनुसार एक ट्रेने रोहतास से गडहरी रोहतास



य में बैठकर डोंगरगढ़ अप0क0- 4  
गंगरगढ़ पुलिस द्वारा एकट के तहत  
व्यक्ति 02 बैग लेकर कर न्यायालय  
कले गान्ध के पास रहे।

लाजिसे घराबंदी कर पकड़वाए।  
पुछने पर आरोपी अपना नाम राहुल  
नंदेशर पिता स्व० आनू नंदेशर  
उम- 22 साल निवासी दैतेशरी पा  
वार्ड न०- 02 डोंगरगढ़ का रहने  
वाला बताया। आरोपी के कब्जे वे  
दोनों बैग को चेक करने पर दोनों  
बैग में प्लास्टिक पीवा 90 एम्पल  
वाला कुल- 230 नम पैवा मात्र।  
20.700 बल्क लीटर गिरफ्तार  
9200/-रु० मिला जिसे जास क  
आरोपी के विरुद्ध थाना डोंगरगढ़  
13/2025 धारा- 34(2) आबकारी  
कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार  
में पेश किया गया जहाँ से जेल यात्रा  
पेश किया गया।

## सनहरा अवसर

पढ़ने- पढ़ाने वाले विद्यार्थी सह- शिक्षक सपने साकार करने के लिए रुपये 9 हजार प्रतिमाह से शुरू कर 45 हजार प्रतिमाह की गारंटी देता है



**योग्यता :** 12वीं पास, फेल से पीएचडी तक सभी आवेदन कर सकते हैं

**-: संपर्क करें :-**

## डंजीनियर पी एल सलाखे

**राजनांदगांव, मो. 9425554092**

## छत्तीसगढ़ में मानव और हाथी के बीच बढ़ता प्रतिद्वंद्व : डॉ संजय ठीसके

**राजनंदाय (नान्दाय) टाइम्स ।** शास्त्र-सूत्रविद्या आश्रमोक्त महाविलासको क प्रमाणों-  
निविष्टा गुणा के कुशल मार्गदर्शन में  
विष्णुवाक्यशब्दों के कुशल मार्गदर्शन के निरूपण-  
प्राशस्त्य विष्णु में दिवसे दिवसे महान-  
मया इस अश्वत्थ पर विष्णुवाक्यशब्दों के कुशल-  
दामले में अपने उद्धरण में कह कि मानव और  
के बीच बहुत संघर्ष को रोकने के  
विष्णुवाक्यसूत्र सत्य महत्त्वपूर्ण है । उद्धरण के  
प्रमाणों को यह समझना होगा कि विष्णु  
परमविष्णु सन्तुलन के लिए अनिवार्य हैं ।  
इस प्रकार प्रकृतिक मार्ग और आत्मन को सुस्थिर  
को दिवसे दिवसे कार्य करने, तो इस संघर्ष को काफी  
एक कम किया जा सकता है । प्रकृतिसूत्र-  
जंगलों में विष्णुवाक्य श्रेणी में सेते कुछ  
मानव और सौर्ययों में कुछ टाइम्स को  
सगाता बहुत रहे हैं । इस विषय पर अन्य  
विशेषज्ञ डॉ. संजय ठीसके ने महो जीवों  
कहा है कि यह मानव सौर्ययों को जितने



जंगलों की ओर फैलाव और हाथियों के प्राकृतिक आवास का सिकुड़ना, इस संघर्ष का मुख्य कारण है। डॉ. ठीसके ने बताया कि हाथियों के पारंपरिक मार्ग (कारिडोर) पर मानव वस्तियों, कृषि क्षेत्र और औद्योगिक गतिविधियाँ स्थापित होने से हाथियों के सामने भोजन और जल की समस्या उत्पन्न हो गई

परिणामस्वरूप वे गाँवों और खेतों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे फसलों की क्षति, संपत्ति का नुकसान और कई बार मानव-हाथी के बीच सीधे संघर्ष की स्थिति बन गई है।

सरकार, जन विभागा और स्थायीय समुदायों की प्रतिक्रिया समझना प्रवास करने वाले, हाथियों के प्रभुत्व का माहौल को संरक्षित करने, जंगलों में जन और भोजन की उपलब्धता बनाए रखना तथा जनजातोंका कार्यक्रम चलाया इस दिशा में महत्त्वपूर्ण काम होई सरकार के आधिकारिक वेबसाईट के अनुसार, पर देश में 2019-2023 तक हाथियों के हस्तान्ते में 2853 लोगों की मौत हुई, जिनमें से छहसहस्र में 300 लोग मारे गए और 77 हाथियों की भी मौत हुई। जन विभागा के अनुसार, छहसहस्र में मानव और हाथियों के संघर्ष की संख्याओं के संसरे और संसारे प्रभावी जिनकी को सूची निम्नलिखित है: सारंग, सारंग, कुरु, सारंग, सारंग, धनतरा, गरिबवर्ग और सासाद। इन जंगलों में संघर्ष के कारण, हाथियों के गैरपरिचित कारिरार पर मानव बंसीयों और कुषि का विनाश, सलस और बंसीय को दुकानदार, भोजन जपदी व गन हो। संघर्ष के संसर्प: प्रवास करने से देवा गन हो।